

M.Phil./Ph.D. IN TRANSLATION STUDIES

Term-End Examination

December, 2014

RTT-004 : TRANSLATION AND POWER

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

Note : (i) *Answer any five questions. Question number 8 is compulsory.*

(ii) *All questions carry equal marks.*

1. Write an essay on 'Translation and Power discourse'.
2. Discuss the role of Hindi in translation activities in India.
3. How does gender issues affect the act of translation ? Discuss in detail.
4. Examine the issues relating to translation of foreign literature.
5. Give a detailed accounts of translation activities and strategies in post - Independent India.
6. "The ideology plays a key role in shaping the translation". Comment giving suitable examples.
7. Discuss the need of inter - language translation in India and underline the problems thereof. .

8. Write short notes on **any two** of the following (in about **300** words each) :
- (a) Translation and cultural hegemony
 - (b) Translation activities and strategies in colonial India
 - (c) The role of English in translation activities in India
 - (d) Autonomous institutions and promotions of translation in India
-

अनुवाद अध्ययन में एम.फिल./पी.एच.डी.

सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2014

आर.टी.टी.-004 : अनुवाद और सत्ता

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : (i) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या 8 अनिवार्य है।
(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. 'अनुवाद और सत्ता विमर्श' पर एक निबन्ध लिखिए।
2. भारत में अनुवाद गतिविधियों के सन्दर्भ में हिन्दी की भूमिका पर चर्चा कीजिए।
3. अनुवाद कर्म को लैंगिक मुद्दे किस प्रकार प्रभावित करते हैं? विशद विवेचना कीजिए।
4. विदेशी साहित्य के अनुवाद से जुड़े मुद्दों की समीक्षा कीजिए।
5. स्वातंत्र्योत्तर भारत में अनुवाद गतिविधियों और कार्यनीतियों का विस्तारपूर्वक परिचय दीजिए।
6. "अनुवाद की दशा और दिशा निर्धारण में विचारधारा की केन्द्रीय भूमिका होती है।" समुचित उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए।

7. भारत में अन्तर्भाषायी अनुवाद की आवश्यकता और उसमें आने वाली समस्याओं पर विचार कीजिए।
8. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी (लगभग 300 शब्द प्रत्येक) लिखिए :
- (a) अनुवाद और सांस्कृतिक वर्चस्व
 - (b) औपनिवेशिक भारत में अनुवाद गतिविधियाँ और कार्यनीतियाँ
 - (c) भारत में अनुवाद संबंधी गतिविधियों में अंग्रेजी की भूमिका
 - (d) भारत में अनुवाद गतिविधियों को प्रोत्साहन और स्वायत्त संस्थाएँ
-